बी.ए.पी.सी.एच.

मनोविज्ञान

सत्रीय कार्य
जनवरी 2021

बी.पी.सी.सी. 105 : मनोवैज्ञानिक अनुसंधान
बी.पी.सी.सी. 106 : मनोवैज्ञानिक विचारधारा का विकास
बी.पी.सी.सी. 107 : सामाजिक मनोविज्ञान

इग्नू जन-जन का विश्वविद्यालय
मनोविज्ञान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली—110068

सत्रीय कार्य
जनवरी 2021

प्रिय शिक्षार्थी,

जैसा कि हमने आपको कार्यक्रम दर्शिका में सूचित किया है कि इग्नू में मूल्यांकन दो भागों में होता है: i) सत्रीय कार्य द्वारा सतत् मूल्यांकन, और ii) सत्रांत परीक्षा। अंतिम परीक्षा परिणाम में, सभी सत्रीय कार्यों के लिए 30 प्रतिशत अंक तथा सत्रांत परीक्षा के लिए 70 प्रतिशत अंक निर्धारित है।

बी.पी.सी.सी. 105, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत + 2 क्रेडिट प्रयोगात्मक) का पाठ्यक्रम है। आपको **बी.पी.सी.सी. 105** के 4 क्रेडिट के लिए **सत्रीय कार्य** करने होंगे। कृपया प्रयोगात्मक भाग के 2 क्रेडिट के लिए **बी.पी.सी.सी. 105** के पाठ्यक्रम सामग्री में दिये गये प्रयोगात्मक दिशा निर्देश देखें।

सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

बी.पी.सी.सी. 106, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) का पाठ्यक्रम है। आपको **बी.पी.सी.सी. 106** के 4 क्रेडिट के लिए **सत्रीय कार्य** करने होंगे। 2 क्रेडिट की ट्यूटोरियल संबंधित गतिविधि सत्रीय कार्य के भाग ब में सम्मिलित की गई है। यह गतिविधि 2 क्रेडिट की है।

भाग अः सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग बः ट्यूटोरियल में सत्रीय कार्य के भाग ब में दी गई गतिविधि को पूरा करना होगा। इसका मूल्यांकन आपके शैक्षणिक परामर्शदाता करेगें। यह गतिविधि सत्रीय कार्य के अतिरिक्त की जायेगी।

बी.पी.सी.सी. 107, 6 क्रेडिट (4 क्रेडिट सिद्धांत + 2 क्रेडिट ट्यूटोरियल) का पाठ्यक्रम है। आपको **बी.पी.सी.सी. 107** के 4 क्रेडिट के लिए **सत्रीय कार्य** करने होंगे। 2 क्रेडिट की ट्यूटोरियल संबंधित गतिविधि सत्रीय कार्य के भाग ब में सम्मिलित की गई है। यह गतिविधि 2 क्रेडिट की है।

भाग अः सत्रीय कार्य-I में वर्णनात्मक श्रेणी के प्रश्न हैं। आपको इन प्रश्नों के उत्तर निबंध के समान, प्रस्तावना एवं निष्कर्ष के साथ लिखने होंगे। इनका प्रयोजन विषय से संबंधित आपकी समझ एवं जानकारी को व्यवस्थित, संगत तथा सुस्पष्ट तरीके से वर्णन करने की योग्यता को जांचना है।

सत्रीय कार्य-II में लघु श्रेणी के प्रश्न हैं। इन प्रश्नों के उत्तर के लिए आपको सर्वप्रथम तर्क और स्पष्टीकरण के संदर्भ में विषय का विश्लेषण करना होगा, जिसके उपरान्त प्रश्नों के उत्तर संक्षिप्त तरीके से लिखने होंगे। ये प्रश्न विषय से संबंधित अवधारणाओं व प्रक्रियाओं को स्पष्ट रूप से समझने की क्षमता का परीक्षण करने के लिए हैं।

भाग बः ट्यूटोरियल में सत्रीय कार्य के भाग ब में दी गई गतिविधि को पूरा करना होगा। इसका मूल्यांकन आपके शैक्षणिक परामर्शदाता करेगें। यह गतिविधि सत्रीय कार्य के अतिरिक्त की जायेगी।

सत्रीय कार्य करने से पहले, कार्यक्रम दर्शिका में दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें। यह अनिवार्य है कि आप सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर अपने शब्दों में लिखें। आपका उत्तर किसी विशेष श्रेणी के लिए निर्धारित शब्द–सीमा की अनुमानित सीमा के भीतर होना चाहिए। याद रखिये कि इन सत्रीय प्रश्नों के उत्तर लिखने से आपके लेखन कौशल में सुधार होगा, तथा आप सत्रांत परीक्षा के लिए तैयार हो जाएंगे।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तिथि	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जनवरी 2020	30 सितम्बर, 2021	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक को जमा करें/अथवा ऑनलाईन लिंक द्वारा जमा करें (www.ignou.ac.in)।

* आपको सारे सत्रीय कार्य निर्धारित समय सीमा के अन्दर जमा करने होंगे, जिससे आप सत्रांत परीक्षा दे सके।

जमा कराये गये सत्रीय कार्यों की अध्ययन केन्द्र से रसीद अवश्य प्राप्त करें, तथा उसे संभाल कर रखिये। सत्रीय कार्य की एक फोटोकॉपी भी अपने पास रखें। मूल्यांकन के पश्चात, अध्ययन केन्द्र सत्रीय कार्यों को आपको लौटा देगा। पूर्ण किये हुए सत्रीय कार्य आपको प्रेषित किये गये अध्ययन केन्द्र के संचालक को ही भेजने होंगे।

सत्रीय कार्य लिखने से पहले नीचे दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक अनुकरण करें:

1. आपके लिए नीचे दिए गये तथ्यों पर ध्यान केन्द्रित करना उपयोगी साबित होगा।

क) **योजना** : सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। सत्रीय कार्य के प्रश्न जिन इकाइयों पर आधारित हैं, उन्हें ध्यान से पढिए। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लिखने के लिए उसके बारे में महत्वपूर्ण तथ्य नोट कर लें, और फिर उन्हें तार्किक क्रम में व्यवस्थित कर लें।

ख) **संगठन** : अपने उत्तर की कच्ची रूपरेखा बनाने से पहले कुछ बेहतर तथ्यों का चुनाव और विश्लेषण कीजिए। उत्तर की प्रस्तावना और निष्कर्ष पर विशेष ध्यान दें। उत्तर लिखने से पूर्व यह सुनिश्चित कर लें कि :

- क) आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत है;
- ख) वाक्यों और अनुच्छेदों में स्पष्ट संबंध है; तथा
- ग) उत्तर आपके भाव, शैली और प्रस्तुति के आधार पर सही है।

ग) **प्रस्तुतीकरण** : जब आप अपने उत्तर से संतुष्ट हो जाएँ तो जमा कराने के लिए सत्रीय कार्यों के प्रश्नों के उत्तर की स्वच्छ प्रति तैयार करें। **उत्तर साफ–साफ और अपनी हस्तलिपि में लिखना अनिवार्य है।** जिन बिंदुओं पर आप जोर देना चाहते हो, उन्हें रेखांकित कर दें। यह अवश्य सुनिश्चित कर लें कि आपका उत्तर निर्धारित शब्द–सीमा के भीतर ही होना चाहिए।

2. अपने उत्तर लिखने के लिए A4 साइज पेपर का प्रयोग करें और सभी पेजों को ध्यानपूर्वक टैग करें। बायीं ओर 4 सेमी का हाशिया और दो उत्तरों के बीच कुछ जगह छोड़े। उपयुक्त जगहों पर छोड़े गये हाशिया में उपयुक्त टिप्पणी करने के लिए शैक्षणिक परामर्शदाता की सुविधा होगी।

3. ***उत्तर आपकी स्वयं की लिखावट में होनी चाहिए।*** अपने उत्तरों को टाइप या प्रिंट न करें। विश्वविद्याय द्वारा भेजे गये अध्ययन सामग्री से अपने उत्तर की नकल न करें। अगर आप अध्ययन सामग्री से नकल करते हैं तो आपको शून्य अंक मिलेंगे।

4. आपको सत्रीय कार्य की एक प्रति पूर्ण किये सत्रीय कार्य के साथ इसे जमा करने से पहले संलग्न करनी होगी।

5. अगर आपने अध्ययन केन्द्र परिवर्तित के लिए निवेदन किया हुआ है, तो आपको सत्रीय कार्य, मूल अध्ययन केन्द्र में ही जमा करना चाहिए जब तक कि आपको विश्वविद्यालय द्वारा अध्ययन केन्द्र के बदलने की सूचना ना मिल जाये।

6. अगर आपको अपने सत्रीय कार्य के मूल्यांकन के पश्चात् कोई वास्तविक त्रुटि मिलती है जैसे, सत्रीय कार्य का कोई हिस्सा का मूल्यांकन नहीं हुआ हो या कुल अंक जो संत्रीय कार्य पर गलत अंकित है, आदि। ऐसी त्रुटियों के सुधार के लिए और मुख्यालय में सही अंको को भेजने के लिए, अपने अध्ययन केन्द्र के संचालक से संपर्क करें।

शुभकामनाओं के साथ,

मनोविज्ञाान संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ,
इग्नू, नई दिल्ली

बी.पी.सी.सी.-105 : मनोवैज्ञानिक अनुसंधान
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-105**
सत्रीय कार्य कोडः105 / **ए.एस.एस.टी. / TMA / 2021**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

सत्रीय कार्य – I

नीचे दिए वर्णात्मक श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंक का हैं। **3x20=60**

1. मनोवैज्ञानिक शोध के लक्ष्य और सिद्धांत पर चर्चा कीजिए। मनोवैज्ञानिक शोध में नैतिक मुद्दों का वर्णन कीजिए। 20
2. उदाहरण की सहायता से विभिन्न प्रकार के चरों का वर्णन कीजिए। उदाहरण की सहायता से निर्मित के प्रकार का वर्णन कीजिए। 20
3. प्रयोगात्मक एवं गैर प्रयोगात्मक शोध अभिकल्प प्रकारों का विस्तार से वर्णन कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

नीचे दिए लघु श्रेणी के प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का हैं। **8x5=40**

4. परिकल्पना के प्रकार
5. मिश्रित दृष्टिकोण अनुसंधान विधि का उपयोग
6. प्रतिदर्श का आकार
7. सम्भाव्यता प्रतिदर्श चयन के लाभ और नुकसान
8. केस अध्ययन के प्रकार
9. वैधता
10. शोध प्रस्ताव की तैयारी
11. गुणात्मक अनुसंधान की विशेषताएं

बी.पी.सी.सी.-106 : मनोवैज्ञानिक विचारधारा का विकास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-106**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.पी.सी.सी -106 /ए.एस.एस.टी./TMA/2021**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भाग – अ

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। 2x20=40

1. मनोविज्ञान में सामाजिक निर्माणवाद के उद्भव एवं उद्देश्यों की विवेचना कीजिए। 20

2. मनोविश्लेषण पर विभिन्न प्रभाव क्या थे? मनोविश्लेषण के विकास पर चर्चा कीजिए। 20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। 6x5=30

3. स्वतंत्र इच्छा और नियतत्ववाद

4. टॉलमैन का संज्ञानात्मक व्यवहारवाद का विचार

5. समकृतिकता

6. अन्तर्निरीक्षण

7. साहचर्य के अध्ययन के लिए थॉर्नडाइक का दृष्टिकोण

8. मनोभौतिकी

भाग–ब

(ट्यूटोरियल)

2x15=30

नोटः निदेर्शों के अनुसार गतिविधियों को पूरा कीजिए। कृपया गतिविधियों को एक सुसंगत और संगठित तरीके से करने का प्रयास कीजिए। प्रत्येक गतिविधि के लिए 15 अंक नियत है। गतिविधियों के लिए, आपको स्व शिक्षण सामग्री तथा किसी भी अन्य प्रासंगिक ऑफलाइन या ऑनलाइन संसाधनों का संदर्भ लेना होगा।

1. मनोविज्ञान के किन्ही दो सम्प्रदायों (स्कूल) या विचारधाराओं का चयन कीजिए तथा व्यवहार को समझने के अपने दृष्टिकोण और स्पष्टीकरण का स्तर जिस पर वे केंद्रित है किस प्रकार से असहमत है, व्याख्या कीजिए।

   नोटः स्पष्टीकरण का स्तर कम (अंतर्निहित प्रक्रिया जैविक है जैसे जीन, न्यूरॉन्स, हार्मोन आदि); मध्य (अंतर्निहित प्रक्रिया अंतवैयक्तिक है जैसे कि व्यक्तिगत विशेषताएं तथा क्षमताएं); उच्च (अंतर्निहित प्रक्रिया सामाजिक और सांस्कृतिक है जैसे कि सामाजिक समूह, संगठनात्मक तथा संस्कृति) हो सकता है।

2. जनता की तथा दैनिक समस्याओं को हल करने के लिए मनोविज्ञान का व्यावहारिक उपयोग कैसे प्रारंभ हुआ?

   (संकेत : मनोवैज्ञानिकों द्वारा दिए गए वृत्तांत/विचारों के अनुक्रम पर चिंतन कीजिए)।

बी.पी.सी.सी.-107 : सामाजिक मनोविज्ञान
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोडः **BPCC-107**
सत्रीय कार्य कोड : **बी.पी.सी.सी -107 /ए.एस.एस.टी./TMA/2021**
अधिकतम अंकः **100**

नोटः सभी प्रश्न अनिवार्य है।

भाग – अ

सत्रीय कार्य - I

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक नियत है। **2x20=40**

1. सामाजिक मनोविज्ञान की प्रकृति और दायरा की चर्चा कीजिए। सामाजिक मनोविज्ञान के ऐतिहासिक विकास की व्याख्या कीजिए। 20

2. गुणारोपण के सिद्धांतों की व्याख्या कीजिए। गुणारोपण में त्रुटि और पूर्वाग्रहों पर चर्चा कीजिए।20

सत्रीय कार्य - II

निम्नलिखित प्रत्येक प्रश्नों के उत्तर लगभग 100 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक का है। **6x5=30**

3. स्कीमा के प्रकार

4. सामाजिक संज्ञान में त्रुटियों के स्रोत

5. अभिवृत्ति निर्माण

6. नेता की विशेषताएँ

7. संचार के प्रकार

8. नेतृत्व के प्रकार

भाग–ब

(ट्यूटोरियल)

2x15=30

नोटः निदेर्शों के अनुसार गतिविधियों को पूरा कीजिए। कृपया गतिविधियों को एक सुसंगत और संगठित तरीके से करने का प्रयास कीजिए। प्रत्येक गतिविधि के लिए शब्द सीमा लगभग 700 शब्द है। प्रत्येक गतिविधि के लिए 15 अंक नियत है। गतिविधियों के लिए, आपको स्व शिक्षण सामग्री तथा किसी भी अन्य प्रासंगिक ऑफलाइन या ऑनलाइन संसाधनों का संदर्भ लेना होगा।

1. आप एक ऐसी स्थिति की कल्पना कीजिए जहाँ व्यस्त सड़क पर एक व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त हो गया है। उसे तत्काल सहायता की आवश्यकता है। दर्शक प्रभाव के स्तरों के संदर्भ में, क्या आप उस व्यक्ति की सहायता करने का विकल्प चुनेंगे? कौन से कारक है जो यह निर्धारित करते है कि कोई व्यक्ति दुर्घटनाग्रस्त व्यक्ति की सहायता करेगा या नहीं? प्रति सामाजिक (समाजोपकारी) व्यवहार के पीछे के कारणों पर चर्चा कीजिए।

2. आप के पड़ोस में एक बच्चा बहुत आक्रामक है। इस आक्रमकता के पीछे क्या कारणात्मक कारक हो सकते है? आक्रमकता को कम करने के लिए उपयोग की जाने वाली विभिन्न युक्तियों की सूची बनाइए।